आ गया है चीन की चुनौतियों का जवाब देने का समयः पोम्पिओ

वाशिंगटन। अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने कहा कि अब समय आ गया है कि दुनिया चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की ओर से पेश की जा रही चुनौतियों का जवाब दे। पोम्पिओ ने कहा कि दुनिया को बताने से काफी पहले ही चीन की सरकार को कोरोना वायरस के एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलने के बारे में पता था। पोम्पिओ ने 'फोक्स न्यूज' के बिल हेमर को बृहस्पतिवार को दिए एक साक्षात्कार में कहा, ''दक्षिणपूर्वी एशिया में ही नहीं बल्कि एशिया में, यूरोप में देशों को चीन की कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा पेश की जा रही चुनौतियों के बारे में पता चल गया है। अमेरिका ने भी काफी लंबे समय तक इस पर गौर नहीं किया। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि उन सभी ने भी यही किया और मुझे लगता है कि अब वे सभी एक संयुक्त निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि इसे सही करने का समय आ गया है। पोम्पिओ ने कहा,दुनिया में लोकतंत्र और स्वतंत्रता से प्रेम करने वाले लोगों के लिए यह जरूरी है कि हम चीन की कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा पेश की जा रही चुनौतियों का जवाब दें।''उन्होंने कहा कि लगातार 40 साल तक अमेरिकी प्रशासन दूसरी ओर देखता रहा और चीन को अमेरिका का फायदा उठाने का मौका दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा 'अब और नहीं'।

चीन के व्यवहार को लेकर कई देश चिंतितः दीपक कपूर

लद्दाख में युद्ध जैसे हालात पैदा करने से चीन की विस्तारवादी नीति झलकती हैः सामरिक विशेषज्ञ

नयी दिल्ली। पूर्वी लद्दाख में चीन का युद्ध जैसे हालात पैदा करना उसकी विस्तारवादी नीति को दर्शाता है, जिसे भारतीय सेना ने अपनी ''दृढ़'' एवं ''शानदार'' प्रतिक्रिया के माध्यम से विफल कर दिया है। शुक्रवार को सामरिक विशेषज्ञों ने यह राय प्रकट की। विशेषज्ञों ने यह भी कहा कि चीन का सैन्य 'दुस्साहस' पूरी दुनिया में कोविड-19 के खिलाफ उसकी आलोचना के बाद ''कहीं और फायदा'' दिखाने के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के प्रयास का हिस्सा हो सकता है। पूर्व थल सेना अध्यक्ष जनरल (सेवानिवृत्त) दीपक कपूर ने कहा कि पूर्वी लद्दाख और दक्षिण

चीन सागर में सैन्य दुस्साहस से चीन को ''बड़ा आर्थिक नुकसान'' उठाना होगा, क्योंकि कई देश उसके व्यवहार को लेकर चिंतित हैं। पूर्वी लद्दाख में चीन के आक्रामक रूख पर भारत के जवाब को उन्होंने ''शानदार'' बताया और कहा कि भारतीय सैनिक चीनी सैनिकों की तुलना में ज्यादा बेहतर प्रशिक्षित हैं। जनरल कपूर ने कहा,पार्टी और लोगों पर पकड़ बरकरार रखने के लिए शी को कहीं ताकत दिखानी थी। पूर्वी लद्दाख में सफल सैन्य दुस्साहस से घरेलू स्तर पर उनकी छवि मजबूत होती। बहरहाल, भारत के कड़े जवाब से संभवतः योजना के मुताबिक ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि पश्चिम के देशों ने जहां लद्दाख पर भारत का समर्थन किया वहीं दक्षिण चीन सागर में छोटे देशों ने भी चीन के विस्तारवादी रवैये पर अपनी आवाज मुखर की और कानून के शासन पर बल दिया। जनरल कपूर के बात से सहमति जताते हुए लेफ्टिनेंट जनरल डी. बी. शेकातकर ने कहा कि कोरोना वायरस की उत्पत्ति के खिलाफ वैश्विक स्तर पर चीन की हो रही आलोचना से ध्यान भटकाने के लिए उसने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर आक्रामक रवैया अपनाया।

शेकातकर ने कहा, चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग कोविड-19 की उत्पति को लेकर वैश्विक स्तर पर हो रही आलोचनाओं सहित कई मुद्दों पर घरेलू दबाव झेल रहे हैं। अंदरूनी गुस्से से ध्यान भटकाने के लिए षड्यंत्र का हिस्सा है सैन्य दुस्साहस। उन्होंने कहा कि चीन की सेना ने पूर्वी लद्दाख में आक्रामक रूख अपनाया ताकि चीन के राष्ट्रपति को खोई जमीन हासिल करने में मदद मिल सके। अक्टूबर 2007 से मार्च 2010 तक सेना प्रमुख रहे जनरल कपूर ने कहा कि बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के साथ ही 5जी तकनीक के खिलाफ चीन की आलोचना तेज होती जा रही है। उन्होंने कहा कि कई देश बीआरआई का विरोध कर रहे हैं क्योंकि वे उसे ''कर्ज जाल'' के तौर पर देख रहे हैं।

अमेरिका के बाद भारत में कोरोना की सबसे अधिक जांचः व्हाइट हाउस

वाशिंगटन। कोरोना वायरस संक्रमण का पता लगाने के लिए सर्वाधिक 4.2 करोड़ नमूनों की जांच अमेरिका ने की है, इसके बाद सर्वाधिक 1.2 करोड़ नमूनों की जांच भारत में हुई है। व्हाइट हाउस ने यह जानकारी दी। अमेरिका में 35 लाख से अधिक लोग कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए और संक्रमण से 1,38,000 लोगों की मौत हो चुकी है। विश्वभर में संक्रमण के 13.6 करोड़ से ज्यादा मामले सामने आए और 5,86,000 रोगियों की मौत हो चुकी है।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कायले मैकनेनी ने बृहस्पतिवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया,कोरोना वायरस की जांच के संबंध में, हमने 4.2 करोड़ से अधिक नमूनों की जांच की है। इसके बाद सर्वाधिक 1.2 करोड़ नमूनों की जांच भारत में हुई है। जांच के मामले में हम पूरे विश्व में सबसे आगे चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि रिकॉर्ड जांच करने का ट्रंप प्रशासन का कदम पूर्ववर्ती प्रशासन द्वारा उठाए कदमों के ठीक विपरीत है। मैकनेनी ने बताया कि सीबीएस टीवी के मुताबिक 2009 में ओबामा-बाइडेन प्रशासन नीत रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र ने राज्यों से एच1एन1 फ्लू की जांच बंद करने को और हर एक मामले को गिनना बंद करने को कहा था। मैकनेनी ने बताया कि टीके के संबंध में भी अच्छी खबर मिल रही है।

चिन्ताजनक : देश में कोरोना के 10,03,832 मरीज

एक दिन में रिकॉर्ड 34,956 मामले, 22,942 लोग हुए स्वस्थ, 3,42,473 का चल रहा इलाज

नयी दिल्ली। भारत में कोविड-19 के एक दिन में रिकॉर्ड 34,956 मामले आने के साथ शुक्रवार को संक्रमण के मामलों की संख्या 10 लाख को पार कर गई। महज तीन दिन पहले ही संक्रमितों की संख्या नौ लाख के पार हुई थी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार देश में कोरोना वायरस के मामले बढ़कर 10,03,832 हो गए जबकि एक दिन में 687 लोगों की मौत के साथ मृतकों का आंकड़ा 25,602 हो गया है। पिछले 24 घंटों में कुल 22,942 लोग स्वस्थ हुए हैं जो एक दिन में स्वस्थ लोगों की सर्वाधिक संख्या है। इसके साथ ही भारत में 6,35,756 लोग इस संक्रामक रोग से स्वस्थ हो चुके हैं जबकि 3,42,473 मरीजों का अब भी कोविड-19 का इलाज चल रहा है। अभी तक करीब 63.33 प्रतिशत मरीज स्वस्थ हो चुके हैं।''

देश में कोविड-19 के मामलों को एक लाख तक पहुंचने में 110 दिन का वक्त लगा था और अब महज 59 दिनों में ही संक्रमण के मामले नौ लाख के पार चले गए। यह लगातार छठा दिन है जब कोरोना वायरस के 28,000 से अधिक मामले आए हैं। आईसीएमआर के

अनुसार 16 जुलाई तक कुल 1,30,72,718 लोगों की कोरोना वायरस के लिए जांच की गई जिनमें से 3,33,228 नमूनों की जांच बृहस्पतिवार को की गई।

भारत प्रति 10 लाख लोगों में कोरोना वायरस संक्रमण के 658 मामलों के साथ 106वें नंबर पर है। भारत में हर दस लाख लोगों पर मामलों की संख्या यूरोपीय देशों से चार से आठ गुना कम है।मंत्रालय ने एक ट्वीट किया कि यूरोपीय रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र के अनुसार 15 जुलाई तक रूस और अमेरिका में प्रति 10 लाख कोविड-19 के मामले भारत के मुकाबले क्रमशः आठ और 16 गुना अधिक हैं।

पिछले 24 घंटों में जिन 687 लोगों की मौत हुई है उनमें से 266 की महाराष्ट्र, 104 की कर्नाटक, 69 की तमिलनाडु, 58 की दिल्ली, 40 की आंध्र प्रदेश, 34 की उत्तर प्रदेश, 23 की पश्चिम बंगाल, 17 की बिहार, 16 की जम्मू कश्मीर, 10-10 की तेलंगाना और गुजरात तथा नौ की मौत पंजाब में हुई है। राजस्थान में कोरोना वायरस संक्रमण से आठ, मध्य प्रदेश में सात, झारखंड में चार, हरियाणा में तीन, असम, केरल और ओडिशा में दो-दो जबकि छत्तीसगढ़, गोवा और पुडुचेरी में एक-एक शख्स ने जान गंवाई।

इस वैश्विक महामारी से अब तक कुल 25,602 लोगों की मौत हुई है जिनमें से सबसे अधिक 11,194 लोगों की मौत महाराष्ट्र में हुई।

> भारत में कोविड-19 के एक दिन में रिकॉर्ड 34,956 मामले आने के साथ शुक्रवार को संक्रमण के मामलों की संख्या 10 लाख को पार कर गई। महज तीन दिन पहले ही संक्रमितों की संख्या नौ लाख के पार हुई थी।

इसके बाद दिल्ली में 3,545, तमिलनाडु में 2,236, गुजरात में 2,089, उत्तर प्रदेश में 1,046, कर्नाटक में 1,032, पश्चिम बंगाल में 1,023, मध्य प्रदेश में 689 और राजस्थान में 538 लोगों की मौत हुई। आंध्र प्रदेश में कोविड-19 से अभी तक 492, तेलंगाना में 396, हरियाणा में 322, पंजाब में 230, जम्मू कश्मीर में 222, बिहार में 197, ओडिशा में 79, उत्तराखंड में 50, असम में 48, झारखंड में 42 और केरल में 37 लोगों ने जान गंवाई। पुडुचेरी में इस संक्रमण से 22, छत्तीसगढ़ में 21, गोवा में 19, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ में 11-11, अरुणाचल प्रदेश और त्रिपुरा में तीन-तीन, मेघालय और दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव में दो-दो जबकि लद्दाख में एक मरीज की मौत हुई। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि 70 प्रतिशत से अधिक मौत किसी न किसी अन्य बीमारी की वजह से हुई।

महाराष्ट्र में संक्रमण के सबसे अधिक 2,84,281 मामले सामने आए। इसके बाद तमिलनाडु में 1,56,369, दिल्ली में 1,18,645, कर्नाटक में 51,422, गुजरात में 45,481, उत्तर प्रदेश में 43,441 और तेलंगाना में 41,018 लोग संक्रमित पाए गए। आंध्र प्रदेश में कोविड-19 के मामले बढ़कर 38,044, पश्चिम बंगाल में 36,117, राजस्थान में 27,174, हरियाणा में 24,002, बिहार में 21,764 और मध्य प्रदेश में 20,378 हो गया। असम में संक्रमण के 19,754 मामले सामने आए। इसके बाद ओडिशा में 15,392, जम्मू कश्मीर में 12,156, केरल में 10,275 जबकि पंजाब में 9,094 मामले सामने आए। छत्तीसगढ़ में 4,932, झारखंड में 4,624, उत्तराखंड में 3,982, गोवा में 3,108, त्रिपुरा में 2,283, मणिपुर में 1,764, पुडुचेरी में 1,743, हिमाचल प्रदेश में 1,377 और लद्दाख में 1,147 लोग संक्रमित पाए गए।

भारत ने सर्वाधिक 27.3 करोड़ लोगों को गरीबी से ऊपर उठायाः संराष्ट्र

75 में से 65 देशों में 2000 से 2019 के बीच बहुआयामी गरीबी स्तर में काफी कमी आयी

संयुक्त राष्ट्र। भारत में 2005-06 से लेकर 2015-16 के दौरान 27.3 करोड़ लोग गरीबी के दायरे से बाहर निकले हैं। यह इस दौरान किसी भी देश में गरीबों की संख्या में सर्वाधिक कमी है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गयी। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) और ऑक्सफोर्ड गरीबी एवं मानव विकास पहल (ओपीएचआई) द्वारा जारी किये गये आंकड़ों से पता चलता है कि 75 में से 65 देशों में 2000 से 2019 के बीच बहुआयामी गरीबी स्तर में काफी कमी आयी है।

बहुआयामी गरीबी दैनिक जीवन में गरीब लोगों द्वारा अनुभव किये जाने वाले विभिन्न अभावों को समाहित करती है -जैसे कि खराब स्वास्थ्य, शिक्षा की कमी, जीवन स्तर में अपर्याप्तता, काम की खराब गुणवत्ता, हिंसा का खतरा, और ऐसे क्षेत्रों में रहना जो पर्यावरण के लिए खतरनाक हैं। इन 65 देशों में से 50 ने भी गरीबी में रहने वाले लोगों की संख्या को कम किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि सबसे बड़ी कमी भारत में आयी, जहां 27.3 करोड़ लोग गरीबी से ऊपर उठने में कामयाब रहे। रिपोर्ट में कहा गया है कि चार देशों- आर्मेनिया (2010-2015 / 2016), भारत (2005 / 2014-15 / 2016), निकारागुआ (2001-2011 / 2012) और उत्तर मैसेडोनिया (2005/2014) ने अपने वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) को

> • भारत में 2005–06 से लेकर 2015–16 के दौरान 27.3 करोड़ लोग गरीबी के दायरे से बाहर निकले हैं। यह इस दौरान किसी भी देश में गरीबों की संख्या में सर्वाधिक कमी है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गयी।

आधा कर दिया। ये देश दिखाते हैं कि बहुत भिन्न गरीबी स्तर वाले देशों के लिये क्या संभव है।

रिपोर्ट के अनुसार चार देशों ने अपने एमपीआई मूल्य को आधा कर दिया और बहुसंख्यक गरीब लोगों की संख्या में सबसे बड़ी (27.3 करोड़) कमी आयी।

रिपोर्ट में कहा गया, चौदह देशों ने अपने सभी उप-प्रादेशिक क्षेत्रों में बहुआयामी गरीबी को कम कियाः बांग्लादेश, बोलीविया, किंगडम ऑफ़ एसावातिनी, गैबॉन, गाम्बिया, गुयाना, भारत, लाइबेरिया, माली, मोज़ाम्बिक, नाइजर, निकाराबुआ, नेपाल और रवांडा।' हालांकि इसमें आशंका व्यक्त की गयी कि गरीबी के मोर्चे पर हुई प्रगति पर कोरोना वायरस महामारी का प्रतिकूल असर पड़ सकता है।

राज्यसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों का शपथ ग्रहण 22 को

हाल के चुनाव में 20 राज्यों से 61 सदस्य निर्वाचित,समारोह में केवल एक अतिथि लाने की अनुमति

नयी दिल्ली। राज्यसभा के नवनिर्वाचित सदस्य 22 जुलाई को सदन के चैम्बर में शपथ लेंगे । सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी । अधिकारियों ने बताया कि यह पहला मौका होगा जब अंतर सत्र की अवधि में सदस्य सदन के चैम्बर में शपथ लेंगे ताकि कोविड-19 के मद्देनजर सामाजिक दूरी के मानकों का पालन किया जा सके । शपथग्रहण आमतौर पर या तो सत्र के दौरान होता है अथवा जब संसद सत्र नहीं होता है तब राज्यसभा के सभापति के चैम्बर में होता है। राज्यसभा के लिये हाल के चुनाव में 20 राज्यों से 61 सदस्य निर्वाचित हुए हैं ।

राज्यसभा के अधिकारियों ने बताया कि प्रत्येक सदस्य को शपथ

ग्रहण समारोह में अपने साथ केवल एक अतिथि को लाने की अनुमति होगी । राज्यसभा के सभापति एम वेंकैया नायडू ने इस बारे में निर्णय किया है और इसमें राज्यसभा और लोकसभा दोनों से जुड़ी विभाग संबंधी संसद की स्थायी समितियों की बैठक शुरू करने और इन बैठकों में नये सदस्यों के हिस्सा लेने की इच्छा व्यक्त करने को ध्यान में रखा है । अधिकारियों ने बताया कि के केशव राव और तिरूचि शिवा जैसे राज्यसभा के कुछ नवनिर्वाचित एवं दोबारा चुने गए कुछ सदस्य संसदीय समितियों के अध्यक्ष हैं और बिना शपथ लिये संबंधित समितियों की बैठक नहीं बुला सकते ।

नवनिर्वाचित सदस्य भी पद एवं गोपनीयता की शपथ लिये बिना समितियों की बैठकों में हिस्सा नहीं ले सकते । अधिकारियों ने बताया कि राज्यसभा के महासचिव ने सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को 22 जुलाई को शपथग्रहण होने के बारे में लिखकर सूचित किया है। जो लोग इस दिन नहीं आ पायेंगे, उन्हें संसद के मानसून सत्र के दौरान शपथ दिलायी जायेगी । अधिकारियों ने बताया कि नये सदस्यों के लिये शपथ ग्रहण की योजना पहले बनाई गई थी, लेकिन कुछ सदस्यों द्वारा दिल्ली यात्रा करने के संबंध में व्यक्त की गई चिंताओं को देखते हुए इसे टाल दिया गया था।

नूर वली महसूद वैश्विक आतंकवादी घोषित

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र ने आतंकी समूह तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के प्रमुख नूर वली महसूद को वैश्विक आतंकवादी घोषित किया है। संरा सुरक्षा परिषद की 1267 आईएसआईएल एवं अलकायदा प्रतिबंध समिति ने 42 वर्षीय महसूद को बृहस्पतिवार को प्रतिबंध सूची में डाला। अब इस पाकिस्तानी नागरिक की संपत्तियां कुर्क की जा सकेंगी, उस पर यात्रा प्रतिबंध लगाया जा सकता है और हथियार रखने पर रोक लगाई जा सकेगी। प्रतिबंध समिति ने कहा कि महसूद को ''अलकायदा से संबंधित समूहों का समर्थन करने, उनकी आतंकवादी गतिविधियों का वित्तपोषण करने, योजना बनाने और उन्हें अंजाम देने के कारण इस सूची में डाला गया है।''

कोविड-19 संकट में मिलकर काम कर रहे भारत-अमेरिकाः राजदूत संधू

वाशिंगटन। अमेरिका में भारत के राजदूत तरनजीत सिंह संधू ने कहा कि भारत और अमेरिका कोरोना वायरस का मिलकर मुकाबला कर रहे हैं और साथ ही दोनों देश मिलकर कोविड-19 टीका भी विकसित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, जीवन विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच साझेदारी का लाभ पूरी दुनिया तक पहुंचेगा।

अमेरिका के मध्य-पश्चिमी हिस्सों से आए भारतीय-अमेरिकी समुदाय के प्रतिष्ठित सदस्यों के साथ ऑनलाइन संवाद में संधू ने कहा,'वैश्विक महामारी के दौरान भारत और अमेरिका मिलकर काम कर रहे हैं।

भारत और अमेरिका के वैज्ञानिक संस्थान एक-दूसरे के संपर्क में लगातार बने हुए हैं। उन्होंने कहा,'हमारी फार्मास्यूटिकल कंपनियां टीका विकसित करने के लिए मिलकर काम कर रही हैं। इस तरह की कम से कम तीन साझेदारी चल रही है। गिलियड ने भारत की सात फार्मा कंपनियों के साथ कोविड-19 के उपचार में उपयोग की जाने वाली दवा रेमडेसिविर के उत्पादन और वितरण के लिए साझेदारी की है। संधू ने कहा कि संकट के दौरान भारत एक भरोसेमंद साझेदार रहा है और उसने अमेरिका समेत 150 से अधिक देशों को दवाएं एवं उपकरण पहुंचाए।

उन्होंने कहा कि वैश्विक महामारी के कारण जीवनशैली बदल गई है और समय रहते लॉकडाउन लगाने से ही भारत वायरस के प्रकोप को टाल सका। अब देश में मोटे तौर पर पाबंदियां हट चुकी हैं। निषिद्ध क्षेत्रों में अब भी ऐसे लोगों की संख्या काफी अधिक है जो संक्रमित हैं और उपचार करवा रहे हैं इसलिए इन क्षेत्रों में अब भी पाबंदियां हैं।

नया सवेरा, नया विकास

'शुद्ध' से जगी नई उम्मीदः आईआईटी कानपुर के वैज्ञानिकों का अविष्कार

'भारत के पास चुनौती को अवसर में बदल देने की क्षमता' प्रधानमंत्री के इस कथन को साकार कर दिखाया

डा.श्रीकांत श्रीवास्तव/सुन्दरम चौरसिया

लखनऊ (पीआईबी) । प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भारत के पास चुनौती को अवसर में बदल देने की क्षमता है । प्रधानमंत्री के इस कथन को साकार कर दिखाया है, आईआईटी कानपुर ने। यहां के वैज्ञानिकों ने एक एसे यंत्र का अविष्कार किया है जो स्मार्टफोन से जुडा होगा कमरे को कीटाणुमुक्त कर देगा। आईआईटी कानपुर के इमेजनरी लैब में विकसित इस यंत्र का नाम इन वैज्ञानिकों ने 'शुद्ध' रखा है ।

दरअसल जिस समय पूरी दुनिया कोविड-19 के खिलाफ युद्द लड़ रही है । यह बहुत आवश्यक है कि लोगों को कीटाणुमुक्त परिवेश प्रदान किया जाये। जैसा कि वैज्ञानिक बताते हैं करोना वायरस का संक्रमण अखबार,मोबाईल, पेन या दरवाजे के हैंडल जैसी वस्तुओं से हो सकता है। इसके लिए लोगों को बार बार सैनिटाइजर का इस्तेमाल करने अथवा हाथ को साबुन से धोते रहने की सलाह दी गयी है। अब इस यंत्र के द्वारा बगैर सैनिटाइज़र अथवा किसी अन्य उपकरण के भी कमरों को कीटाणुमुक्त किया जा सकेगा। यह यंत्र स्मार्टफोन से जुड़ा होगा जिसमें एक हैंडी अल्ट्रावॉयलेट डिस्नेफ़ेक्शन हेल्पर लगा है।

शुद्ध नाम के इस यंत्र में 15 वाट की 6 अल्ट्रावॉयलेट लाइटे भी लगी है।

इन लाइटों को ब्लूटूथ के जरिए संचालित किया जा सकता है। अगर इसे पूरी क्षमता से चलाया जाये तो यह 15 मिनट के भीतर 10×10 के कमरे को कीटाणुमुक्त कर सकता है। इसकी बाजार कीमत भी बहुत ज्यादा नहीं रखी गयी है। आईआईटी के वैज्ञानिकों ने बताया कि शुद्द नाम के इस उपकरण का इस्तेमाल घरों ,दफ्तरों या अस्पताल जैसी जगहों पर किया जा सकता है। वैज्ञानिकों का दावा है कि यह एक विश्वसनीय यंत्र है और शत प्रतिशत कामयाब है।

यानि करोनावयरस सहित तमाम बैक्टीरिया वायरस को खतम कर देने की क्षमता इसमें निहित है। हमने इमेजनरी लैब के प्रभारी अधिकारी प्रोफेसर जे रामकुमार से बातचीत की ।

उन्होंने बताया कि शुद्द नाम के इस उपकरण को आम जनता तक पहुचाना ही हमारा उद्देश्य है। इस बात का प्रयास किया जा रहा है कि इसे और भी कारगर तथा रियायती दरों वाला बनया जाये।उन्होंने कहा कि एक छोटे कमरे को कीटाणुरहित करने में लगभग 15 मिनट का समय लगेगा । इसके रखरखाव की भी खर्च बहुत ज्यादा नही आता। डा.अमनदीप ने बताया कि अल्ट्रावायलट किरणों का इस्तेमाल चिकित्सा विज्ञान में काफी लंबे समय से होता आया है ।

लॉकडाउन से प्रभावित एयर इंडिया के अस्थाई कर्मचारियों ने काम के लिए अदालत में की अपील

मुंबई। एयर इंडिया के कम से कम 250 अस्थाई कर्मचारियों ने सार्वजनिक क्षेत्र की विमानन कंपनी को उन्हें फिर से काम पर रखने का निर्देश देने के लिए बंबई उच्च न्यायालय में अपील दायर की है। कोरोना वायरस के कारण लागू किए गए लॉकडाउन के चलते वे बेरोगजार हो गए हैं और उन्हें वेतन नहीं मिल रहा है। उनकी याचिका पर शुक्रवार को न्यायमूर्ति आर डी धानुका और वी जी बिष्ट की पीठ ने सुनवाई की। पीठ ने एयर इंडिया को नोटिस जारी किया और दो सप्ताह के भीतर जवाब देने का निर्देश दिया। एयर इंडिया लिमिटेड कामगार संघ के माध्यम से दायर इस याचिका में कहा गया है कि अधिकांश अस्थाई श्रमिक आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के हैं और वे आजीविका के लिए एयरलाइन से दैनिक मजदूरी पर निर्भर हैं।